प्र.२. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों को कारण सहित समजाइए।
(बाहर प्रश्नों में)
1. वजुद्धाई साधू हो गये।
2. महाराज ने गणिका को मुक्तानंद स्वामी के समान कल्याण किया।
3. कठालाव गाँव की सीमा के पास कुंआ के आसपास के बंधों में आज भी सतासंग को आगे बढ़ा रहे हैं।
4. टरसों में कालकूट जैसे असंख्य जीव सतसंगी हुए हैं।

प्र.३. निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर विवरण लिखिए।(बाहर प्रश्नों में)
1. उक्राऊँग।
2. साधु।
3. सोमाला खान्च।
4. श्रीहरिलीलाकल्पनार।
प्र.8. निम्नलिखित में से किसी दो अवतरण, किसाने, किसको तथा कब कहा है यह लिखिए।

1. “आओ, पहले पर जलकर आओ, इसके पश्चात ही सादु करेंगे।”
2. “बेटी के बाप! महाराज की कृपा फक्त है? छोड़ दो।”
3. “हमारे यहाँ जीवन और दृष्टि का यात्रा है, इसलिए यह महत्त्व टिकी है।”
4. “स्वामी, हमारा बोला हुआ धृत जाना और श्रम करना।”

प्र.9. निम्नलिखित में से किसी दो का कारण सहित समझें।

(बारह पंक्तियों में)

1. गोदड़िया साहित्य को एक बार भेंट ने में भी महाराज को कठिनाई उठाई।
2. स्वामी जीवन के पश्चातः, एक सेर मठ और जिम गए।
3. रत्नाकरी महाराज तीर्थभागी होकर, जुनगढ़ जाने के तैयार हुए।
4. स्वामीजीने रूपक के धार में लकड़ी को पतर रखकर जिमा।

प्र.10. निम्नलिखित में से किसी दो विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्तियों में)

1. वृक्ष का निरोग।
2. बेदानी की पराजय।
3. खाएं जीव की मीठौं किया।
4. स्वामी उपस्थित में।

प्र.11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक बाक्य में लिखिए।

1. मुरली का जन्म कब और कहाँ हुआ था?
2. अन्य हाथों से स्वामी के लघुत्तम पर संदर्भ तिलक का टॉक करके श्रीमतीहराज क्या बोले?
3. स्वामी को कितने कीलों कठोर थे?
4. जुनगढ़ को महत्त्व सीपले समय महाराज ने स्वामी को क्या भेंट दी?
5. सोरठ के सासंग के बारे में स्वामी क्या बोले?

प्र.12. निम्नलिखित किसी दो प्रसंगों का वर्णन कर के भावाध्य लिखिए।

(बारह पंक्तियों में)

1. स्वामी बनाया।
2. वीर को स्वच्छता।
3. श्रीमतीहराज के साथ एकांतमथान।
4. महाराज आकाश हुए।

(विभाग – 3 'सत्संग परिचय' परीक्षा की पुस्तकों पर आधारित)

प्र.13. निम्नलिखित में से किसी तीन विषयों पर विवरण लिखिए।

(बारह पंक्तियों में)

1. अदाराज को दीखा।
2. जलमग्न स्वामी को संकीर्ण निश्चि।
3. निवासन्द स्वामी की संबंधित निश्चि।
4. आत्मप्राप्त दादा खाजा।
5. बड़े रामबाई।
6. आत्मविश्वास लक्ष्मीवंद शोभ।
7. जुनगढ़ में अपूर्व समय।
8. अध्याय साधु का कवच।

* * *